Marking scheme

11th (Dance)

Code-

1. तीनताल

2. समय को निश्चित एवं समान भागों मे बटने को ताल कहते है।

3. मंदिरों से

4. परन

5. (द)

6. (द)

7.काव्यात्मक शब्दों से युक्त रचना जिसे कथक मे नृत्य भाव और अभिनय के साथ प्रस्तुत किया जाता है कवित कहलाता है।

8. दासी अट्टम

9. घुँघरू का नृत्य मे उपयोग और महटव बताने पर पूर्ण अंक दिए जाएंगे।

अथवा

रुपक की परिभाषा देने एवं उसकी एकगहूँ बताने पर पूर्ण अंक दिए जाएंगे।

10. पढ़ंत और ठेका की परिभाषा देने पर पूर्ण अंक दिए जाएंगे।

अथवा

नृत्यक के गुण और अवगुण बताने पर पूर्ण अंक दिए जाएंगे।

11. उठान- उठते हुए बोलो के साथ मंच पर आना।

गतभाव- गत के साथ भाव को दिखाना

करण- हाथ पैर शरीर के सठ संयुक्त क्रिया से निर्मित नृत्य की एक विशिस्ट इकाई को करण कहते है।

अंगहार- दो या दो से अधिक कारणों के मेल से बनने वाली नृत्य याचना को अंगहार कहा जाता है।

सही उतर देने पर पूर्ण अंक दिए जाएंगे।

अथवा

भरतनाट्यम के क्रम की व्याख्या करने पर पूर्ण अंक दिए जाएंगे।

11. नृत्य की परिभाषा देते हुए उनसे होने वाले लाभ बताने पर पूर्ण अंक दिए जाएंगे

अथवा

महाभारत कथानक मे नृत्य को कैसे उपयोग किया गया एवं नृत्य का इसमे क्या स्वरूप रहा की पूर्ण व्याख्या करने पर पूर्ण अंक दिए जाएंगे।

13. साहित्य मे नृत्य का योगदान एवं ड्रामा के साथ नृत्य का संबंध बताने एवं उसका विस्तृत विवरण करने पर पूर्ण अंक दिए जाएंगे।

अथवा

12 मात्र की ताल एकताल का परिचय देने एवं उसकी ठाह दोगुण चौगुण बताने पर पूर्ण अंक दिए जाएंगे।

14. रुपक ताल का परिचय देने पर एक अंक एवं उसकी दोगुण और चौगुण बताने पर बाकी अंक दिए जाएंगे।

अथवा

बनारस घराने का परिचय देने पर एक अंक एवं वेशभूषा गुरु के नाम बताने पर बाकी अंक दिए जाएंगे।

15. ठुमरी का विस्तृत विवरण करने पर पूर्ण अंक दिए जाएंगे।

अथवा

साहित्य का नृत्य से संबंध की पव्याख्या करने पर पूर्ण अंक दिए जाएंगे।

16. कथक की परिभाषा देने पर एक अंक दिया जाएगा। उसके घराने एवं क्रम की व्याख्या करने पर पूर्ण अंक दिए जाएंगे।

अथवा

तीनताल का परिचय देने पर एक अंक दिया जाएगा। तोड़ा ओर तिहाई लिपिबद्ध करने पर पूर्ण अंक दिए जाएंगे।